

कोनमासुर्ग ॥ ध्वमन्नुनलरुजयनयं धान इतान अवेचान
मगलकोडलगरुदमन्नु ॥ ० ॥ ॐ कूं कतानायं कूं रकथरुदूं
रुदूं स्याहा ॥ ध्वमन्नुनै कसधान ॥ जयनयं हि कूं य ॥ ७ ॥
ॐ ससवतिगुनू जाग्रिदूं थक ३ ॥ ध्वमन्नुनधूलजयनयं हि
कूं थ ॥ विसखधधूनद्यालसहाल मन्नुजयनयावसान

दवीदं विरुवनयनकामयसनहादवीविहि पुनयादनऊशनम
हामकाम यरुयकासनामययनामदद विस्वरुनगिन ॥ धमन
नडिखालस्थानऊयनयधन १० शुवसयाययनैडा यानामर्थका
वनयावययवावालस्थालयानक स्थाननकुचकैवूठव वसीक
नल ॥ १७ ॥ उं यिगाविनायनरुवी ॥ अयविगीनयकी ॥ धम ६
नलजाययायधन २१ उं न सर्वूठव शुर्थनव नाजाआदिय

वसकं ॥ १७ ॥ उं रुं रुं डरु निरु रु निखादन सामादूकामक
वनमायुन ॥ धमनननकैवमुऊयनयधन १० गवावन
मसिनसिल यिर्यगु नायकैगनरु लकैक्रम हाथडाठिपु
नअनि यदकैगन धुनडासननय ॥ धुं विहिवाकावय
साय्यवानवाल नकैवूठव तेलकैवूठव वसीकनल १७ ॥
उं मूलवूकैगल यनानाहवैगा दूठू न स्वाहा ॥ धमनन

नयदुर्धन आगम अमुकमानुयावयथ ॥ नाजायाहुवन ॥ १ ॥
 नयदुर्धन आगम अमुकमानुयावयथ ॥ नाजायाहुवन ॥ १ ॥
 सयसिधुनवयसनी सकनसर्वंगव नानतिगंभा अमुकि
 नतिभाहि द्वाठिकनवआनहि दयरासिठिऊ यिहिद
 यकयाणभासिद्धि कालिकायसाद ॥ धमकुणसिंदूनययन
 थयवन ३ वसहन ॥ ० ॥ कामानूसर्वं आयिलिचपुर्णं द्विद

लभार्कं तखप्रितल ऊ २ ॥ रुनेमूहमानववम्यमनवात २ वं
 खलरुर्वंसउमृत्यूनवावियाकुकनवभासिद्धिगुनयाजान ॥ २ ॥
 कनजयनयथवन ३ नाजकुलेवनस खालसिग्यवन नाजभा
 रुनी ॥ ७ ॥ रुनरुनखि रुनवमृखिद वड्ड द्धिवनवमृठिवा
 यरुयययिसर्वं सिंहरुयनिकसर्वं नाजामरुभाहि आयि
 सर्वं भासिद्धि कालिकायाजन ॥ धमकुणवकनऊयनयं खाल

३३

वदल कर्णु मनी खाहा ॥ धमनु गला गलाथ मनु ॥ ० ॥ ॐ ह
ययुष्यै स्यशी (गेनी ३) कींशी खाहा ॥ धमनु गलान जयनय
कुयकं श्रीवसशर्न ॥ ० ॥ ॐ मलययवर्तशी (गेनी ३) कींखा
हा ॥ धमनु गवकण जयनय रंलकं श्रीवसशर्न ॥ ० ॥
ॐ सूर्यमुखय खालवृ चर्न ॥ ॐ कनवृ गामना जा माह वृ य
जा माह वृ माह वृ वैनीला कमहादव क आहा पावर्ती क

३३

वा ॐ धवा वाच मासिद्धि का मादा कं ॥ धमनु गवकन ड व
यंन दन सर्व माहनी ॥ १ ॥ ॐ धमि न विमिन २ गल गल लु नि
मिन विचिलि खाहा ॥ धमनु गवकण काया कैव गलै ठ ख
य धान गलै द माचक विवि ॥ ० ॥ ॐ नाहिन विजयै य नाडा
सुसु नाखाहा ॥ धमनु गलै ख जयनय धान गलै ख ना दण
हि कनालै ख ॥ ० ॥ ॐ ॐ ३ ॥ धमनु नया ठ लयै धान गलै

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

मंसमथनन व... मृलीयानोलेकादव...
ननका मयति मृष्टाश्च... यथा ने पश्चक मयति...
मयावथममवम... लालवस्य... कडकनाममो...
लधाय विविध... ॥ ॥ उ वली ककायालिनी खाला...
नवाव्या... यानामख... नव... याव... याव...
कोलल... वस्यामसा... व... र...

अरुयायिद्यालामुक्तु कर्कशकचामधुः॥ अथवा कचपदवधुः॥
मुञ्चननानसंशयः॥ अथवायारिष्य॥ अंगीकृत्वा सुखादाकाङ्क्ष
लेखयुक्तामुक्तुः दावययविद्युद्वाथ वासायवधुः नारुमं॥ ७॥ अ
गाकृत्वा उगा कौदं समं चानिविद्यानथा॥ अथवा कचनवधुः कच
अस्यायवधुः य॥ अथवाया॥ ७॥ कृत्वा रुल्लिकासर्थि मनाय

साविना॥ अथवा कचननथानि वातुरुदमुदाहना॥ अथवायाचा
उरुदल्लह॥ दाकाकृत्वा उलानवधुः मधुना॥ अथवा कचनगलेय
यगमुक्तिविद्याद्वाराहयवदनिच॥ अथवाया॥ ७॥ अणमवावि
दियल्लालवधुः नालि सातुगा॥ कचनवधुः कचमला मधुनालह
थरुन॥ अथवा कचनसुगा मधुः अणिगाथनिनिधुय॥ अथवाया

नालागियत कभला कण च तव माक्रि कं यं चागि कमिदं नो ग्राह
॥ अथ क ह च शा उ च ॥ १॥ अथ ह च या यं चादि कलह ॥ १॥ कृष्ण उ
जिसगिविया कृष्ण नाग च माधिका ॥ हि नं ॥ अथ ह च का ॥ अथ स च
वस दान ॥ १॥ अथ अथ स का स या ॥ उग ह च ल रा ॥ अथ क ह ल स च
ना सह क ह च च विदु दि जा य न न यि न ग दं ॥ १॥ स य ॥ रा गी

युक् च मूल च क ह ल च स यि य ला ॥ स ध ना चूर्णि भा ल स च
अ ह च चि वा ॥ १॥ अथ या ल स ॥ कला च क ह ल कौ द द ना
लं रु स मा स न ॥ १॥ अथ ह च च वि का ग ॥ अथ स च व न र्ग य
॥ १॥ अथ अथ स का स या ॥ १॥ अथ कौ म ल क ला ॥ अथ य स
च नि वि या स मा ॥ द ना लं रु य ना कौ द का ग ॥ अथ ह च ना

था ॥ १॥ अथ कासया ॥ त्रिगवियलीवा ॥ १॥ कंचिवादिपु ॥ १॥
ना ॥ यत्तु ॥ अथ कासया ॥ सम ॥ अथ विद्य ॥ १॥ या ॥
१॥ लका ॥ अथ कासया ॥ १॥ दाका ॥ लति कासु ॥ १॥ सा ॥ कृ ॥
व ॥ अदि ॥ क ॥ अथ कासया ॥ १॥ दाका ॥ लति कासु ॥ १॥ सा ॥ कृ ॥
वि ॥ रु ॥ वि ॥ का ॥ ना ॥ १॥ अथ कासया ॥ १॥ दाका ॥ लति कासु ॥ १॥ सा ॥ कृ ॥

१॥ अथ कासया ॥ १॥ दाका ॥ लति कासु ॥ १॥ सा ॥ कृ ॥
वि ॥ रु ॥ वि ॥ का ॥ ना ॥ १॥ अथ कासया ॥ १॥ दाका ॥ लति कासु ॥ १॥ सा ॥ कृ ॥
वि ॥ रु ॥ वि ॥ का ॥ ना ॥ १॥ अथ कासया ॥ १॥ दाका ॥ लति कासु ॥ १॥ सा ॥ कृ ॥
वि ॥ रु ॥ वि ॥ का ॥ ना ॥ १॥ अथ कासया ॥ १॥ दाका ॥ लति कासु ॥ १॥ सा ॥ कृ ॥
वि ॥ रु ॥ वि ॥ का ॥ ना ॥ १॥ अथ कासया ॥ १॥ दाका ॥ लति कासु ॥ १॥ सा ॥ कृ ॥

कनामयद्य ॥ (ध्यायालह ॥ १॥ कहुलंयस्कवष्टंगा कर्व
 वमधनासह। कागध्यासहवष्टासहवकैवकरानक
 ॥ (ध्यायाकासस्यासयाचउरुडलह ॥ १॥ साऊभादलव
 नहचातकाष्टंगवचमहिलायियाला। उल्लुभायमहिननयि
 सति ॥

ASHA ARCHIVES

आशा आर्किव

ASHA ARCHIVES

विनासयत्कि यकरुहदिनन ॥ (ध्यायाआसव ॥ १॥ रुणि
 यस्कवकुलंययियालाससुचिउकं। कुलीनंकहुलंय
 था। वाधनासहरुक्रय ॥ १॥ लानिलाचिचिदि कागध्या
 रुक्रयायह ॥ कागध्यासयालह ॥ १॥ तालासकहुलंष्टंगा
 यस्कवाकाउगादय। कृष्णरुयासमंरुष्टं मधनासह

दथन् ॥ १॥ अथिर्कं कनसात्तर्धं कागत्सहचम्यचं ॥ १॥ मि
वाकृष्णतुगा ॥ २॥ यथाविद्यलिकदुर्ल ॥ ३॥ यस्करं सागधा
यथा ॥ ४॥ सधृक्कन ॥ ५॥ बालकभावाढी ॥ ६॥ यथाचनदाह
स्यनक ॥ ७॥ सन्मालकावायचूर्णसय्यिष्ठानिर्न ॥ ८॥ उधार्य
नयनिस्साययासिदुक्ककधृचनन ॥ ९॥ तालिणिहलठननैना

नवृद्धिग्व ॥ १०॥ यथापुणसणसुसुननवायनितुल्यकधाह
ठचतुर्गुण ॥ ११॥ यथावृष्णिकागहचयच ॥ १२॥ रुचानकाकनापुण
मनिर्वगुठसचन ॥ १३॥ कागद्यामादकः ॥ १४॥ रुचानाचननाग
न ॥ १५॥ रुचानकानागवमसुचूर्णगुठनचक ॥ १६॥ पुठिकावि
॥ १७॥ निवाचयथापुविधापिनय ॥ १८॥ सासववृद्धिप्रवर्त

चकां॥१॥विद्यलायकलसूल कलाचकइलालसा।मधना
ला॥४॥मातृ॥५॥विद्यकभाग॥६॥नय॥७॥विद्ययाचकुरुदल
ह॥८॥कइजिययावकदवदाच॥९॥विद्यिगंजिरुलासुता
नी॥१०॥समासमिनयासमनं॥११॥कार्गंजयदिष्टुगदवद
त्या॥१२॥दवदाच॥१३॥विद्यिरुला॥१४॥विद्यिगं

अभिनाउल्यं तच्चूर्णयचकागजिन्॥ धनयुक्तासूतनान
यिरुकागससाखेन॥ अथाकागसेवलद्वन्द्वी॥ धनगजक
तकागसरिम्ब॥ * २ न काकुदिनि। ब्राह्मसूत्रय
न। श्वकस्यान। धननयर्लखनस्यावैशिकस
योऽय

१२ का तिसा नया थन ॥ दिठ रुल मर स मूड
 रुल १२ य यल १२ सल कन या ति का या वल
 न मर १२ यु वा क सु ला ति न न या व न न र्क ॥ ल
 द य ॥ न यो मार्ग या द्वा गिजल खाला स न्ध (धन न या व वि
 वलाव काय उन डल मिरदा स्या क या हि द ॥ न उ म म व डि क

र्क ल वंद शुक् म्याल राम बाज ०० मूनि रुक डि वि ०० रि मा
 ७१ धन सम काग य क ल य १२ रु ल डि सा इ इ य २ ल र व य १२
 य क न द्वा स स थं द न मि खा र्क रु ला य व ॥ (धन अ य वा दि ग रु
 यु ला व द्वा स स थं द न भा उ र्ग क या उ व स्या ल ख व द्वा स स
 थं न ख व स्या ल उ व द्वा स स थं न ॥ रु द र्ग वि वे द्वा द व द्वा व
 रु स व य य हि गु स्या (धन धन सम काग राम व ल स या धा न न